arisपत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की

लखनऊः 26 जुलाई, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज कारगिल विजय दिवस के अवसर पर प्रातः 10 बजे मध्य कमान स्थित 'स्मृतिका' पर जाकर शहीदों को आदरांजलि दी। इस अवसर पर सेना के वरिष्ठ अधिकारी, सैनिक व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

नगर निगम लखनऊ द्वारा कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल श्री राम नाईक ने अपनी ओर से तथा प्रदेश की जनता की ओर पुष्प चक्र रखकर कारगिल के शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में कारगिल शहीद कैप्टन मनोज पाण्डेय, केवलानन्द द्विवेदी, सुनील जंग, रितेश शर्मा के परिजन तथा अन्य शहीदों के परिजन, स्वतंत्रता संग्राम सेनानीगण को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लखनऊ के महापौर डा0 दिनेश शर्मा, समाजवादी पार्टी के विधायक श्री रविदास मेहरोत्रा व विधान परिषद की सदस्या श्रीमती कांति सिंह, पूर्व विधायक श्री सुरेश सहित पार्षदगण व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राज्यपाल ने कहा कि 1999 में कारगिल की ऊंचाई से विजय प्राप्त करना आसान नहीं था। हमारे वीर सैनिकों ने अपने पराक्रम से पाकिस्तान को करारी हार दी। युद्ध नायकों का भारत में सदैव सम्मान किया गया है चाहे वह रामायण, महाभारत, महाराणा प्रताप, शिवाजी से लेकर 1857 का स्वतंत्रता समर हो या आजादी से लेकर आज तक देश की आजादी बनाये रखने की जंग हो। उन्होंने कहा कि देश के इतिहास को जिन्दा रखना महत्व का काम है और ऐसे आयोजन से देश के लिए कुछ करने का विश्वास पैदा होता है।

श्री नाईक ने कहा कि उन्हें बहुत संतोष है कि उनके सुझाव पर मध्य कमान लखनऊ में उत्तर प्रदेश के परमवीर चक्र से सम्मानित शहीदों के भित्ति चित्र स्थापित किये गये हैं। जब वे पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में पेट्रोलियम मंत्री थे तो कारगिल शहीदों के परिवार के जीविकोपार्जन के लिए उन्होंने सरकारी खर्चे पर पेट्रोल पम्प व गैस एजेन्सी आवंटित की थी। उन्होंने कहा कि इसके पीछे सिर्फ यही सोच थी कि शहीदों के परिवार के लिए कुछ करना चाहिए।

राज्यपाल ने बताया कि 1954 में 2 अगस्त को यह तय हुआ कि गोवा, अण्डमान, दादर नगर हवेली को आजाद कराया जायेगा। सामान्य नागरिकों ने बिना गोली चलाये दादर नगर हवेली को आजाद कराया। इस घटना को 61 वर्ष पूरे हो रहे हैं। यह निर्णय लिया गया है कि हीरक जयंती मनायी जाए। इस अवसर पर गोवा, अण्डमान एवं दादर नगर हवेली को आजाद कराने वाले महाराष्ट्र के श्री बाला साहब जामंबुलकर, श्री वसन्त प्रसादे, श्री अरविन्द मनोलकर सहित अन्य सेनानियों को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अन्य लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

नगर निगम
कारगिल